बी.ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य : 2007–2008

इस विषय में 100–100 अंकों के दो प्रश्न–पत्र होंगे।

प्रथम प्रश्न–पत्र : काव्य

100 अंक

पाठ्य पुस्तक :

1. आधुनिक काव्य सोपान – सम्पादक : डॉ. सत्येन्द्र पारीक
   प्रकाशक : पुनीत प्रकाशन, ए–3 कांतिनगर, जयपुर

पाठ्य विषय : पाँच इकाईयों में विभक्त होगा :

इकाई – I

- अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का संकलित अंश 'श्याम–संदेश' की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न
- मैथिलीशरण गुप्त का संकलित अंश 'चित्रकूट में राजसभा' की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई – II

- जयशंकर प्रसाद का संकलित अंश 'वरूणा की कछार', 'बीती विभावरी', 'वे दिन' और 'पेशोला की प्रतिध्वनि' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न
- सुमित्रानंदन पंत का संकलित अंश 'पर्वत प्रदेश में पावस', 'मौन–निमंत्रण', 'नौका विहार', 'द्रुत झरो', 'बापू के प्रति' और 'ताज' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – III

- महादेवी वर्मा का संकलित अंश 'वसन्त–रजनी', 'जीवन विरह का जलजात', 'बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ!', 'रूपसि तेरा घन–केश–पास!', 'मैं नीर भरी दुख की बदली!' और 'मंदिर का दीप' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का संकलित अंश 'जागो फिर एक बार', 'संध्या सुंदरी', 'बादल राग', 'विधवा', 'गहन है यह अंधकार' और 'स्नेह निर्झर बह गया है' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – IV

- रामधारी सिंह 'दिनकर' का संकलित अंश 'अनल–किरीट', 'नारी', 'प्रतिशोध' से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न।
- सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' का संकलित अंश 'बावरा अहेरी', 'नदी के द्वीप' से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न।
- 'हरी घास पर क्षण भर', 'कलगी बाजरे की' से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – V

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय

आधुनिक हिन्दी कविता के सोपान – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता।